श्रीमती मार्गरेट कुजूर

(सहायक प्राध्यापक हिंदी)
पता– शासकीय महाविद्यालय धर्मजयगढ़
जिला रायगढ़ छत्तीसगढ़, पिन 496116
चलभाष– 9669213973

मनहरण घनाक्षरी

(श्रृंगार रस)

सजना सुहानी बेला
आवत है शुभ मेला
प्रेम रंग भरी भरी
पावत लगन है।

कंगना झुमका बाली
गोरी आई मतवारी
नैन कहीं टकराई
चाहत अगन है।

प्रियतम के डोर में
अखियान के भोर में
मन जिया हार गया
भावत मगन है।

सजनी साजन होंगे
कुजूर मिलन होंगे
पुष्प झरे प्रीत भरे
खिलत चमन है।

कविता

अब याद आये पिया
हार मान गये जिया
कैसे भूल जाऊं तुझे
अगन आने लगी।

सब कुछ भूल गई
पिया मै तो हार गई
दिन रति चैन नही
लगन खोने लगी।

तब आंखे देखे तुझे
हाल आके पूछो मुझे
पल पल याद करूं
वेदन गाने लगी।

कब तक राहे देखूं
डोली कहीं और जाये
कुजूर मन हार के
मिलन जाने लगी।